वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 289 | मंगलवार 14 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राठौड़ बोले- अडाणी को जमीन लुटाना बंद कीजिए

हिंडनबर्ग पर प्रदर्शन करने वालों ने 85 हजार बीघा जमीन दी

राठौड़ ने कहा कि आपकी भी मजबूरियां हैं, एआईसीसी को फंड भेजना होता है, उसी की वजह से यह हो रहा है...

जयपुर. कासं। विधानसभा में सोमवार से बजट पर बहस शुरू हुई। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा- हिंडनबर्ग को लेकर कांग्रेस के लोग रविवार को प्रदर्शन कर रहे थे। अडाणी वही है न जिसे कोयले का सिंगल टेंडर दिया। प्रोक्योरमेंट एक्ट की धज्जियां उड़ाकर सबसे महंगा कोयला खरीदा गया। अडाणी के कोयले की वजह से हर बिजली उपभोक्ता पर 7 पैसे प्रति यूनिट का सरचार्ज भुगतना पड़ रहा है। राठौड़ ने कहा कि आपकी भी मजबूरियां हैं, एआईसीसी को फंड भेजना होता है, उसी की वजह से यह हो रहा है।

अडाणी को कांग्रेस सरकार ने 85 हजार बीघा जमीन दी: राठौड़ ने कहा- हिंडनबर्ग वाले को मैं कहना चाहता हूं, हाथी के दांत दिखाने के कुछ और खाने के कुछ है। और सब ठीक है, लेकिन जमीन लुटाना बंद करो। अडाणी को 2019 में फतेहपुर में 9000 बीघा, 2020 में 25 हजार बीघा, 2022 में जैसलमेर जिले में 400 बीघा, मोहनगढ़ में 38 हजार बीघा, फतेहगढ़ में 13 हजार बीघा जमीन दी गई। 75 हजार बीघा जमीन कैबिनेट अप्रूवल में पड़ी है, 74 हजार बीघा जमीन राजस्व मंत्री के पास पेंडिंग पड़ी है।

रघु बोले- राठौड़ अडाणी के खिलाफ बोल रहे हैं, नेता प्रतिपक्ष कैसे बनेंगे?: बहस के दौरान उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और कांग्रेस विधायक रघु शर्मा ने एक-दूसरे पर चुटकी ली। राठौड़ ने रघु शर्मा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि ये जिस अंदाज में मुझे घूरते हैं तो मैं कांपने लगता हूं, ये तो सभापति का संरक्षण है, इसलिए मैं बोल पा रहा हूं अन्यथा इनके रहते बोल नहीं पाता। **रघु शर्मा ने राठौड़ का भाषण पूरा होने के बाद कहा:** मेरे मन में एक सवाल आ रहा है। गुलाब चंद कटारिया तो राज्यपाल बनकर जा रहे हैं, नेता प्रतिपक्ष की वैकेंसी पर इनकी नजर है। राठौड़ तो अपने भाषण में अडाणी के खिलाफ बोल रहे हैं, भागवत के खिलाफ बोल रहे हैं तो वैकेंसी को कैसे फिल करेंगे? बता दें राजेंद्र राठौड़ और रघु शर्मा राजस्थान यूनिवर्सिटी के दिनों के साथी रहे हैं। सदन में दोनों के बीच हंसी मजाक का दौर कई बार चलता रहता है।

स्पीकर ने कहा- गुलाबचंद और मैं एक ही कॉलेज में पढ़े

इससे पहले असम के राज्यपाल मनोनीत होने के बाद नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया विधानसभा में सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने पहुंचे। विधानसभा पहुंचते ही पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने कटारिया को राज्यपाल बनने की बधाई दी। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही 11 बजे स्पीकर सीपी जोशी ने प्रश्नकाल शुरू करने से पहले कटारिया को राज्यपाल बनने की बधाई दी। कटारिया इसी सप्ताह नेता प्रतिपक्ष और विधायक का पद छोड़कर असम के राज्यपाल का चार्ज संभाल सकते हैं। स्पीकर की बधाई के बाद कटारिया ने कहा कि राजस्थान के प्रतिनिधि के तौर पर काम करूंगा, आपका सम्मान बना रहे, इसका पालन करूंगा।

स्वच्छता मैराथन आज: जयपुर में जगतपुरा में होगी 11 किलोमीटर की दौड़

फर्स्ट आने वाले को 21 हजार का इनाम

जयपुर. कासं। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की ओर से स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एक मैराथन का आयोजन करवाया जाएगा। 14 फरवरी को सुबह होने वाली इस मैराथन में जगतपुरा स्थित महल रोड पर 11 किलोमीटर की दौड़ करवाई जाएगी, जिसमें फर्स्ट आने वाले एथलीट को 21 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। जयपुर नगर निगम ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर ने बताया कि शहर में स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के उदेश्य से ये मैराथन करवाई जा रही है। सुबह छह बजे ये मैराथन दौड़ जगतपुरा के महल रोड हाईटेंशन लाइन चौराहा से शुरू होगी, जो अक्षय पात्र चौराहा, एनआरआई चौराहा, 7 नंबर बस स्टेण्ड होते हुए वापस हाईटेंशन लाइन चौराहे पर आएगी। इस 11 किलोमीटर लम्बी मैराथन में हर वर्ग और एजग्रुप के लोग शामिल होंगे। इसमें पहले स्थान पर आने वाले को 21 हजार, दूसरे स्थान पर आने वाले को 11 हजार और तीसरे स्थान पर आने वाले 5100 रुपए का नकद इनाम दिया जाएगा। मेयर ने बताया कि मैराथन करने से न केवल लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा, बल्कि स्वच्छ सर्वेक्षण में लोगों को जुड़ने के लिए आह्वान किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम की ओर से बनाए एप डाउनलोड करवाकर उसके जरिए लोगों से स्वच्छता के प्रति फीडबैक लिया जाएगा।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति का वेलेन्टाइन कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा वेलेन्टाइन कार्यक्रम सांगानेर एयरपोर्ट के पास स्थित चीलगाड़ी रेस्टोरेंट मे आयोजित किया गया । ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि लाईव म्यूजिक बेंड के साथ वेलेन्टाइन थीम पर यह आयोजन साय 4 बजे से आयोजित किया गया। कार्याध्यक्ष मनीष - शोभाना लोंग्या ने बताया कि कार्यक्रम के लिये सुनील - सुनीता गोदिका व राजेश - रीतू छाबड़ा को समन्वयक तथा सुधीर - अलका गोधा व राकेश - नीरा लुहाडिया को सयोजक बनाया गया था। ग्रुप सचिव अनिल - निशा संघी ले

अनुसार साय 4 बजे से आयोजित भव्य समारोह मे सभी सदस्य रेड एंड ब्लैक ड्रेस मे उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान म्यूजिक मस्ती का भव्य कार्यक्रम रखा गया जिसमे ग्रुप सदस्यों की 5,5 दाम्पत्ति सदस्यों की दस टीमों ने केट वाक, डांस की भव्य प्रस्तुति दी इसमें प्रत्येक टीम मे से एक सदस्य विजेता रहा उसे पुरस्कृत किया गया ।विजेता सदस्य प्रद्युम्न - कामिनी जैन, राजेंद्र- कुसुम जैन , अजय -आशा जैन, अनुपम -विनीता जैन, नरेंद्र- मधु जैन, पंकज- नीना जैन, अजय -वर्षा बाकलीवाल, पवन - रीना जैन, नितेश - मीनू पांड्या, विनोद- शशि तिजारिया रहे ।बलून गेम में विनर रहेअखिल - पारुल छाबड़ा, चेतन -अनामिका पापडीवाल, हुलाहुल गेम मे अखिल - पारुल छाबड़ा, संजय कविता ठोलिया । देर रात्रि तक चले समारोह मे प्रसिद्ध गायिका प्रियंका तथा दिनेश वर्मा की टीम ने फिल्मी नगमो की भव्य प्रस्तुति से ग्रुप के प्रत्येक सदस्य को झूमने पर मजबूर कर दिया। समारोह मे ग्रुप की सत्र 2023 की कार्यकारिणी का परिचय भी कराया गया।

कवि सम्मेलन शनिवार, 25 फरवरी को

ग्रुप द्वारा आगामी 25 फरवरी को भट्टारक जी की नासिया नारायण सिंह सर्किल पर भगवान महावीर के 2621 वे जन्मोत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाले हास्य व्यंग कवि सम्मेलन के बारे मे कार्यक्रम परामर्शक दर्शन जैन बाकलीवाल ने सभी सदस्यों को अवगत कराया। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रुप द्वारा 40 रक्तदान शिविरो का आयोजन कर 2621 रक्त यूनिट एकत्र करने के लक्ष्य के बारे मे भी जानकारी दी ।

बिदवास के न्यायमूर्ति विमला देवी जैन

शा.स्कूल में हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

न्यायमूर्ति विमला जी को ग्राम गौरव की उपाधि से किया अलंकृत

रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

सागर। जिले की सुरखी विधानसभा अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल विदवास का नाम यहां पर पढने वाली एक छात्रा के नाम मध्य प्रदेश शासन द्वारा विगत वर्ष 2022 मे संशोधित नामकरण अधिसूचित कर ''न्यायमूर्ति श्रीमती विमला देवी जैन एकीकृत शासकीय हाई स्कूल विदवास'' किया गया। जिस गौरवशाली उपलब्धि के परिपेक्ष मे प्रतिभा सम्मान एवं शिलालेख लोकार्पण समारोह विविध कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर प्रातः धार्मिक कार्यक्रम के उपरांत न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन एकीकृत शासकीय हाई स्कूल विदवास में शिला पट्टिका का लोकार्पण एवं अलंकरण व प्रतिभा सम्मान समारोह किया गया, जिसमें न्यायमूर्ति श्रीमती विमला देवी जैन को 'ग्राम गौरव' की उपाधि से स्थानीय ग्राम व जनपद पंचायत, जैन तीर्थ नैनागिरि कमेटी सहित अनेक संगठनों जनप्रतिनिधि,उपस्थित अतिथि व ग्रामवासियों ने अलंकृत कर प्रशस्ति पत्र,शाल, श्रीफल,वस्त्र, उपहार भेंट किया। इसके साथ ही विदवास विद्यालय के शिक्षकों व प्रतिभाशाली छात्रों के अलावा अनेक जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र,शाल, वस्त्र श्रीफल भेंट किये गए। इस समारोह मे न्यायमूर्ति विमला जैन के स्कूल नामकरण व गौरवशाली व्यक्तित्व पर आधारित शिलापट्ट का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया।

संविधान को गीता के समान सम्मान दें

इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन ने अपनी जन्म भूमि एवं स्कूल के रोचक संस्मरण तथा बिदवास स्कूल से न्यायमूर्ति का सफर की संक्षिप्त गाथा बताते हुए शिक्षक व

छात्र उपस्थित जन को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति संविधान को गीता के समान सम्मान देकर पालन करें, मर्यादा और अनुशासन का पालन करते हुए चरित्रवान बने, माता-पिता व बड़ों के प्रति विनम्रता आदर और छोटों को स्नेह करें, बेटियों से कहा कि स्वतंत्र रहें लेकिन स्वच्छंद नहीं बनें। इस मौके पर सुरेश जैन आईएएस ने मप्र.शासन , स्कूल शिक्षा विभाग के प्रति धन्यवाद व आभार एवं उपस्थित समस्त अतिथि व गणमान्य नागरिकों का स्वागत भाषण ,उदवोधन करते हुए धन्यवाद आभार व्यक्त किया। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली की अधिवक्ता श्रीमती चारु मोदी ने इस स्कूल को प्रतिवर्ष पांच हजार रुपये नगद के साथ ही अन्य योगदान और विमला जी ने भी इस स्कूल के लिए कई तरह से योगदान समर्पित करने की घोषणा की।

इन बिशिष्ट अतिथियों की रही उपस्थित

आयोजन समिति के सुमति प्रकाश प्राचार्य ने बताया कि इस समारोह में मुख्य अतिथि मप्र शासन के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत व सागर विधायक शैलेंद्र जैन के प्रतिनिधि के साथ ही विशिष्ट अतिथि श्रीमती सीता ओंकार सिंह राजपूत अध्यक्ष नगर परिषद सुरखी, श्रीमती ममता बहादुर लोधी उपाध्यक्ष , श्रीमती परमा गुड्डू पटेल पार्षद व श्रीमती प्रवेश रानी उम्मेद लोधी पार्षद बिदवास, श्री गंगासरण त्रिपाठी जिला एवं सत्र न्यायाधीस (सेनि.) नई दिल्ली , डा.मनीष वर्मा संयुक्त संचालक (सम्भागीय शिक्षा अधिकारी) सागर, श्रीमती सुमन मलिक इंदौर ,श्रीमती वसुधा वाष्णेय बेंगलूर उपस्थित रहे ।इस मौके पर न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जी के पति सुरेश जैन आईएएस भोपाल, विकास डॉ. बीनू लंदन, विधान निधि सिंघई बेंगलूर, डा. विधि राजेश इंदौर , विजय जैन, मुन्नी डॉ. ऋषभ देवास, पुष्पा विनोद भोपाल, देवेश व श्रीमती चारु एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली, कम्पनी सेक्रेटरी एड.विधु मोदी इन्दौर, किरण मोदी तेंदूखेड़ा , डा.विनोद मोदी फार्मर सीईओ बीडीए, प्रो.डा.चन्दा मोदी की विशेष उपस्थित रहेगी। इस समारोह में पूर्व विधायक सुनील जैन, श्रीमंत सेठ सुरेश जैन, संतोष बैटरी, संतोष घड़ी, देवेन्द्र लुहारी, प्रमोद बारदाना, जयकुमार राजश्री पात्र हाउस, श्रीमती निधि संपादक आचरण, कैलाश सिंघई, विकास सराफ, एड अरविंद रवि, एड पेट्रिस फुसकेले,पं.राजकुमार शास्त्री सागर,राजेश रागी बकस्वाहा, पं.महेन्द्र कुमार मनुज इंदौर, राजेन्द्र महावीर सनावद, राजेंद्र जैन पीए, सुरेन्द्र जैन, मनोज जैन भोपाल, मोतीलाल सांधेलिया, सत्येंद्र लोहिया दलपतपुर, सुखानंद शाह शाहगढ़ ,सुरेश गूगरा ,राकेश बण्डा, एस.के जैन प्राचार्य भगवां , पं. अशोक बम्होरी, सुरेश सिंघई सुनवाहा, अजय अहिंसा बाकल आदि अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी अतिथि एवं ग्राम के गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए। समारोह का सफल संचालन प्रो.महेन्द्र सिंघई भोपाल ने किया एवं संयोजन व आभार विनोद मोदी भोपाल, सुमति प्रकाश जैन प्राचार्य नैनागिरि / सागर ,पं.विमल कुमार,डा.राकेश जैन बिदवास ने किया।

पहली कक्षा से लेकर जज तक का सफर

इस स्कूल में पढने वाली इस छात्रा की सफलता की कहानी ने न सिर्फ पूरे प्रदेश बल्कि देश मे झंडे गाडे। 16 साल की उम्र में शादी हो जाने और एक के बाद एक चार बच्चों को जन्म देने के बाद भी लक्ष्य पाने को मेहनत रुकी नहीं और उस मेहनत का अंजाम है कि वह मप्र हाई कोर्ट की जज बनी, आज इसी छात्रा के नाम पर इस स्कूल का नामकरण किया गया। इसकी दास्ता मे इस गांव विदवास में कभी सुन्दर लाल जैन रहा करते थे जो ग्राम के न्यायप्रिय सरपंच लम्बे समय तक रहें जिनकी बेटी विमला देवी जैन जुलाई 1957 में इसी शासकीय स्कूल में दाखिला लिया और अप्रैल 1962 तक कक्षा पांचवी पास की क्योंकि उस समय स्कूल कक्षा पांचवी तक ही था लेकिन विमला देवी जैन एक होनहार छात्रा थी जिसके बाद पढ़ाई करने वह सागर पहुंची जहां जैन मोराजी स्कूल और जैन महिला आश्रम में आगे की पढ़ाई जारी रखते हुए 16 वर्ष की उम्र में ही उनकी शादी नैनागिरि निवासी सुरेश जैन के साथ हो गई, उनके जीवन साथी सुरेश जैन भी एक होनहार छात्र थे, अब वह समय भी आया जब 1978 में विमला देवी जैन का चयन व्यवहार न्यायाधीश के पद पर हो गया और उनके पति सुरेश जैन भी आईएएस के पद पर चयनित हो गए और विमला देवी जैन ने अनेकों जिलों में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवाएं दी तो वही उनके पति सुरेश जैन ने भी अनेकों जिलों में कलेक्टर के रूप मे अपनी सेवाएं दी । वर्ष 2010 में आप मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की न्यायाधीश बनी और 4 वर्षों तक इस पद पर कार्यरत रही और पूरी निष्ठा पूर्वक अपनी सेवाएं प्रदान की है।

वेद ज्ञान

मन पर रखें संयम

जैसे योग, आसन और व्यायाम के बगैर मानव शरीर पुष्ट नहीं होता, ठीक उसी प्रकार मन का कार्य उचित तरीके से संपन्न करने के लिए कुछ न कुछ मानसिक योग-व्यायाम भी आवश्यक हैं। जिस मानव में असीम शारीरिक शक्ति हो, लेकिन मन का स्वरूप विकसित न हो, उसे पूर्ण मनुष्य नहीं कहा जा सकता। क्या आपके मन में बीते हुए दुर्बल और हानिकारक विचार उत्पन्न होते हैं? ऐसे विचारों के लिए अंतःकरण शुद्ध कीजिए। इन्हें स्वच्छ करना बहुत जरूरी है। समस्त रोग, शोक, दुख, निराशा के विचार मन में विषैले जीवाणु उत्पन्न करते हैं। इसलिए इनसे मुक्त रहने का प्रयास करते रहना चाहिए। मन का मैल निकाल देने पर व्यक्ति उत्तम रीति से कार्य संपन्न कर सकता है। व्यक्ति का पहला मानसिक दोष उसकी अत्यधिक चंचलता है। स्वभावतः मन चंचल है, किन्तु उसका रंग-बिरंगी तितली की भांति एक फूल से दूसरे फूल पर मंडराना गलत है। कोई तत्व, विशेष विचार या भावना को ले लीजिए। वह चाहे जैसा शुष्क क्यों न हो, उस पर मन की समग्र वृत्तियों को एकाग्र कर दीजिए। मन कुछ समय उपरांत भागेगा, किंतु आप संयम द्वारा उसे बांधे रखिए। विचलित न होइए। इस क्रिया से मन में दृढ़ता आती है। मनन करना मन का श्रेष्ठ नहीं बल्कि सर्वश्रेष्ठ व्यायाम है। आप सारे दिन किस प्रकार के विचारों का चिंतन-मनन करते हैं, किन-किन विभिन्न वृत्तियों, भावनाओं में दिन गुजारते हैं? अपने मन के दृष्टा बनकर पूर्ण परीक्षा कीजिए। शास्त्र कहते हैं कि जो मनुष्य अपने विषय में तुच्छ विचार रखता है, वह भयंकर मानसिक रोग से पीड़ित है। एक ऊंची भावना मन में लेकर उसी विषय में निमग्न होकर विचरण करें। उसी से आत्मा को स्नान कराते रहें। शुभ विचार से द्वेष, घृणा, ईर्ष्या आदि का उद्भव नहीं होता। निरोग मन बनाने के लिए अपने ईश्वर तत्व को प्रकाशित कीजिए। आपके मन का प्रत्येक अणु ईश्वर तत्व से अनुप्राणित है। ईश्वर के मार्ग प्रकाश में अवरोध न डालिए। यदि अध्ययन, मनन या साधना के समय यदि मन को दृढ़ता से एकाग्रचित्त न किया जाए, तो उसके फल प्राप्त ही नहीं होते। अशुभ चिंतन मानसिक दुर्बलता का प्रतीक है। इससे मन की शक्तियां समाप्त होती हैं। उत्साह क्षीण होता है। आशावादिता नष्ट होती है। परिणामस्वरूप वह कोई भी अच्छा उत्कृष्ट कार्य नहीं कर पाता।

संपादकीय

देश छोड़कर विदेश में बस रहे युवा

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हमारे देश के कई हिस्सों और तबकों में विदेश जाकर नौकरी या कारोबार करना और फिर वहीं बस जाना प्रतिष्ठा की बात मानी जाती है। यह भी ठीक है कि नौकरी के सिलसिले में विदेश गए लाखों भारतीय यहां भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा भेजते हैं, जिससे सरकार का खजाना भरता है। यह किसी भी देश के लिए अच्छी बात नहीं मानी जाती कि उसके नागरिक दूसरे देशों की नागरिकता लेने को विवश हों। विदेश मंत्री ने संसद में लिखित जवाब देते हुए बताया कि पिछले बारह सालों में कुल सोलह लाख तिरसठ हजार चार सौ चालीस लोग भारतीय नागरिकता छोड़ कर दूसरे देशों में जा बसे हैं। इन सालों में हर साल एक लाख से अधिक लोगों ने देश छोड़ा। सबसे अधिक पिछले साल- सवा दो लाख से अधिक लोग भारत की नागरिकता छोड़ कर दूसरे देशों में बस गए। इन लोगों ने कारोबार या नौकरी के लिए अपने देश की नागरिकता छोड़ दी। हमारे देश में चूंकि दोहरी नागरिकता का प्रावधान नहीं है, इसलिए जो लोग दूसरे देशों में बस जाते हैं, उनकी नागरिकता स्वतः समाप्त हो जाती है। मगर तथ्य यह भी है कि दूसरे देशों की नागरिकता लेना भी इतना आसान नहीं है कि जो चाहे, वही उन देशों में जाकर बस जाए। भारत छोड़ने वालों से सबसे अधिक लोगों ने अमेरिका की नागरिकता ली है। वहां की नागरिकता हासिल करने के लिए लाखों भारतीय जद्दोजहद कर रहे हैं, नौकरी चली जाने के बाद उन्हें वापस आने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचता। जाहिर है, ऐसे लाखों लोग मजबूरी में भारत के नागरिक बने हुए हैं। हकीकत यह है कि हमारे देश से बहुत सारे विद्यार्थी पढ़ाई करने के लिए दूसरे देशों का रुख करते हैं। फिर वहीं वे कोई नौकरी करके बस जाते हैं। इसी तरह बहुत सारे लोग कारोबार के सिलसिले में दूसरे देशों की नागरिकता ले लेते हैं। तथ्य तो यह भी है कि बहुत सारे ऐसे कारोबारियों ने दूसरे देशों की नागरिकता ले ली, जिनका भारत में जमा-जमाया कारोबार था। कुछ समय से यह चिंता भी जताई जा रही है कि कारोबारियों के इस तरह पलायन से देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हमारे देश के कई हिस्सों और तबकों में विदेश जाकर नौकरी या कारोबार करना और फिर वहीं बस जाना प्रतिष्ठा की बात मानी जाती है। यह भी ठीक है कि नौकरी के सिलसिले में विदेश गए लाखों भारतीय यहां भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा भेजते हैं, जिससे सरकार का खजाना भरता है। मगर यह प्रश्न अनुत्तरित है कि आखिर लोगों के सामने ऐसी स्थिति ही क्यों आती है कि उन्हें अपने देश की नागरिकता छोड़ कर पराई जमीन पर जा बसना ज्यादा सुरक्षित जान पड़ता है। दरअसल, शिक्षा और रोजगार के माकूल अवसर उपलब्ध न होने के कारण लाखों विद्यार्थी हर साल देश छोड़ने पर मजबूर होते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बढ़ते अपराध...

अब तो जैसे हत्या की खबरों को रोजाना होने वाली आम आपराधिक घटनाओं की तरह ही देखा जाने लगा है। ऐसी ज्यादातर घटनाओं में कानूनी या अन्य पहलू भी सामने आते हैं। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि बेहद मामूली बातें भी अब अक्सर ऐसी शक्ल अख्तियार कर ले रही हैं, जिसमें पहले आपसी बहस या मारपीट होती है और फिर किसी की जान ले ली जाती है। दिल्ली के रोहिणी इलाके में एक विवाह समारोह के दौरान खाने की प्लेट को लेकर तनातनी के बाद कुछ युवकों ने वहीं खाने-पीने के प्रबंधन में लगे एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी। यानी जो बात सामान्य विवाद तक की वजह नहीं होनी चाहिए और अगर कोई दिक्कत पैदा हुई भी तो बहुत आसानी से उसका समाधान किया जा सकता था, उस बात पर कुछ युवक इस कदर हिंसक हो गए कि उन्होंने पीट-पीट कर एक व्यक्ति की जान ले ली। क्या इसे किसी सभ्य और संवेदनशील समाज की निशानी माना जा सकता है? विवाह जैसे खुशी के मौके पर हुई इस वारदात के बाद दो आरोपियों की गिरफ्तारी की खबर है। इस मामले में कानून अपना काम करेगा। मगर बेहद साधारण बातों पर हिंसा और हत्या तक कर देने वाले लोगों के भीतर इसी कानून का खौफ पहले क्यों नहीं हो पाता, ताकि अपराध हों ही नहीं? दिल्ली के रोहिणी में हुई यह वारदात कोई पहली या अकेली घटना नहीं है। ऐसे मामले अक्सर सामने आने लगे हैं। ताजा घटना में महज खाने की प्लेट को लेकर हुई आपसी बहस का अपने स्तर पर या वहां मौजूद अन्य लोगों की मदद से समाधान निकाला जा सकता था। मगर इतनी-सी बात पर हत्या तक कर डालने वाले लोगों के सोचने-समझने का ढांचा क्या हो गया है या फिर उनके दिमाग पर ऐसा कौन-सा दबाव काम कर रहा होता है कि बिना सोचे-समझे वे इस कदर हिंसक हो जाते हैं? आजकल समाज की एक अफसोसनाक तस्वीर यह बन गई है कि जब इस तरह किसी बात पर मारपीट की घटना होती है, तो वहां मौजूद लोग मूकदर्शक होकर खड़े रहते हैं। बल्कि कई लोग मोबाइल कैमरे से वीडियो बनाने लगते हैं, लेकिन सामूहिक रूप से दखल देकर पहले झगड़ा रोकने और बातचीत करने या फिर तुरंत पुलिस बुलाने की पहल नहीं की जाती। किसी भी समाज में इस तरह की निष्क्रियता बेहद चिंताजनक है। आखिर क्या वजह है कि ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं, जिनमें लोगों के भीतर अचानक पैदा हुई किसी परिस्थिति पर सोचने-समझने की क्षमता कम होती जा रही है? संवेदनाओं के छीजन की रफ्तार इतनी तेज क्यों है कि सड़क पर किसी वजह से वाहन छू जाने से लेकर शादी-ब्याह तक के मौके पर सामान्य-सी बातों पर भी कुछ लोग इस कदर बेलगाम हो जाते हैं कि उन्हें अपनी या किसी अन्य की जान जाने की भी परवाह नहीं होती? यहां तक कि उन्हें इस बात का भी खयाल नहीं होता कि आवेश में आकर मारपीट या फिर किसी की हत्या करने के बाद उनकी अपनी जिंदगी और भविष्य का क्या होगा? क्या लोगों को न सिर्फ दूसरों की, बल्कि अपनी जिंदगी की अहमियत भी समझ में आनी बंद हो गई है? विवेक का उपयोग करके शांति से किसी मसले का हल निकालने के बजाय बिना बात के आक्रामक या हिंसक रुख अख्तियार कर लेने से किसी निर्दोष व्यक्ति की जान जा सकती है, मगर ऐसी संवेदनहीनता खुद अपनी जिंदगी भी तबाह कर देती है।

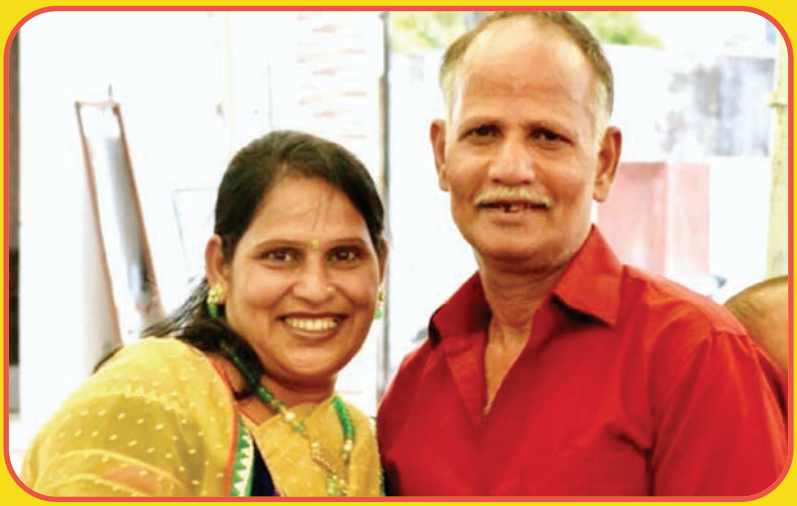

श्री कमल काला-मधु काला

को 25 वीं वैवाहिक वर्षगांठ की बहुत-बहुत हार्दिक शुभकामनाएं

स्वर्गीय पदम चन्द, चंचल देवी जैन (नवीन, विनीता जैन) (राकेश,सरोज जैन) (मनीष,नीरज जैन) (नवीन,मीनाक्षी जैन) (राहुल ,मोनिका जैन) (रोहित, कीर्ति जैन) वैभव, अर्चित, विविधा, नेहल, आदित्य, कीर्तिका, हार्दिक, गहना, इशिता, दविश, मानवी अनिका, दक्ष, दीक्षा एवं समस्त परिवार गण।

राजस्थान विधानसभा अवलोकन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर द्वारा विधानसभा परिसर का अवलोकन किया गया। संगिनी फॉरएवर ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका के प्रयासों के परिणाम स्वरूप कमलेश पाटनी के मार्गदर्शन एवं सानिध्य में एवं अशोक जैन के सहयोग से विधानसभा में जाकर वहां चल रही कार्यवाही से रूबरू होने का अवसर प्राप्त हुआ ।जहां पर माननीय अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ अन्य उपस्थित विधायकों को साक्षात सुनने का अवसर प्राप्त हुआ । तत्पश्चात म्यूजियम में जाकर विधानसभा के गौरवान्वित इतिहास की जानकारी प्राप्त की गई उसके पश्चात संगिनी सदस्यों ने विधानसभा कैंटीन में जाकर अल्पाहार ग्रहण किया। ग्रुप अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने बताया कि विधानसभा देखने के लिए अत्यंत उत्साह के साथ महावीर बिंदायका एवं रमेश गंगवाल के साथ सभी संगीनी सदस्यों ने अपने शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराई एवं पूर्ण अनुशासन का परिचय देते हुए इस कार्यक्रम का पूरा आनंद लिया गया। ग्रुप सचिव सुनीता गंगवाल एवं कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन ने बताया कि विधानसभा परिसर से बाहर आने के पश्चात फरवरी माह में जिनका भी वैवाहिक वर्षगांठ या जन्मदिवस आता है उन सभी सदस्यों का केक कटवाकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

मुख्य प्रायोजक RK R K GROUP WONDER CEMENT

सह प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

शनिवार, 25 फरवरी 2023

सायं 7.00 बजे से

स्थान : भट्टारक जी की नशियां, नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड, जयपुर

आमंत्रित कविगण

श्री प्रताप फौजदार (हास्य सम्राट) | श्री बुद्धि प्रकाश दाधीच (हास्य एवं राज. गीतकार) | श्री शम्भू शिखर (हास्य पैरोडी सम्राट) | श्री सुनील व्यास मुंबई (हास्य व्यंग्य) | श्री पी.के.मस्त (हास्य व्यंग्य) | स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला (श्रंगार) | श्री कमलेश जैन 'वसन्त' (मंच संचालन)

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश बड़जात्या अध्यक्ष	अनिल जैन IPS संस्थापक अध्यक्ष	यश कमल अजमेरा निर्वतमान अध्यक्ष	पारस कुमार जैन कोषाध्यक्ष	निर्मल संघी महासचिव

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश-समता गोदिका अध्यक्ष	दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक	मनीष-शोभना लॉग्या कार्याध्यक्ष	अनिल-अनिता जैन कोषाध्यक्ष	अनिल-निशा संघी सचिव

आयोजन समिति

यश कमल-संगीता अजमेरा मुख्य समन्वयक	दर्शन-विनीता बाकलीवाल परामर्शक	मनीष - शोभना लोंग्या समन्वयक	विनोद - हेमा सोगानी सह-समन्वयक	वक्रेश -पिंकी जैन सह-समन्वयक	राजेश - रानी पाटनी सह-समन्वयक	अनिल-ज्योति जैन चौधरी सह-समन्वयक

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

SURYAVANSHI JEWELLERS

083025 81569

SB-155 A, Sawai Mansingh Rd, Tonk Road, Lalkothi, Jaipur, Rajasthan 302015

महावीर इंटरनेशनल के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष पर निर्वाचित हुए वीर सीए अनिल कुमार जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन अपैक्स बॉडी के सत्र 2023 - 2025 के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष 1 पद एवं गवर्निंग कौंसिल सदस्य 51 पद के चुनाव 12 फरवरी 2023 रविवार को संपन्न हुए। इस कार्य को चुनाव अधिकारी वीर निर्मल कुमार जैन, भीलवाड़ा एवं वीर सूरज नारायण लखोटिया द्वारा संपन्न कराया गया। चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार सम्पादित हुआ। उक्त चुनाव में मतदान ई वोटिंग प्रणाली व व्यक्तिगत उपस्थिति द्वारा करवाया गया। भौतिक रूप से मतदान की सुविधा केवल जयपुर अपैक्स कार्यालय पर उपलब्ध करवाई गयी- मतदान में देशभर से जनरल कौंसिल सदस्यों ने भाग लिया। **गवर्निंग कौंसिल मेंबर्स का चुनाव :** गवर्निंग कौंसिल सदस्य के लिए जोन वाइज 51 सदस्यों का चुनाव करना था। भीलवाड़ा जोन में -2 सीट के लिए 5 नामांकन एवं डूंगरपुर-बांसवाड़ा जोन में 2 सीट के लिए 3 नामांकन प्राप्त हुए जो की अंतिम सूचि के प्रकाशन तक नामांकन वापस नहीं लिए जाने तक इन सीटों पर भी उक्त निर्धारित तिथि को चुनाव सम्पन्न हुए। शेष 28 जोन्स में समानुपात पदों के लिए उतने ही प्रत्याशी मैदान में रहे और सभी का निर्वाचन निर्विरोध हो गया।

अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव: इस पद के लिए 5 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध पाए गए। इनमे से 3 नामांकन पत्र वापस लेने से 2 प्रत्याशी वीर महेंद्र कुमार जैन, फरीदाबाद एवं वीरअनिल कुमार जैन, दिल्ली मैदान में रहे। जिनके मध्य मतदान हुआ। यह मतदान ई वोटिंग व व्यक्तिगत उपस्थिति द्वारा किया गया है। व्यक्तिगत मतदान की सुविधा जयपुर अपैक्स कार्यालय पर उपलब्ध थी। जहाँ केवल 06 सदस्यों ने स्वयं उपस्थित होकर मतदान किया। ई-वोटिंग कुल 1042 मतदाताओं में से 925 ने मतदान किया। ई-वोटिंग से मतदान करने का महावीर इंटरनेशनल में यह द्वितीय अवसर था। इसके लिए उञ्छ एजेंसी की सहायता ली गयी। प्राप्त मतों के आधार पर वीर अनिल कुमार जैन को संस्था के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्वाचन अधिकारियों द्वारा जूम वेबिनार के माध्यम से निर्वाचित घोषित किया गया। इसी प्रकार गवर्निंग कौंसिल सदस्यों में भीलवाड़ा जोन से वीरा मंजू पोखरना, वीर हेमंत कोठारी तथा डूंगपुर-बांसवाड़ा जोन में वीर अजीत कुमार कोठिया व वीर विनोद दोसी निर्वाचित घोषित किये गए। ई -वोटिंग मतदान का लोकप्रिय सरल व सहेज माध्यम है, जिससे देश भर के सदस्यों ने मतदान कर अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। निर्वाचन अधिकारियों ने सभी जनरल कौंसिल मतदाता सदस्यों के प्रति आभार धन्यवाद प्रेषित किया गया। वीर सीए अनिल कुमार जैन एक कर्मठ, योग्य व प्रबुद्ध व्यक्तित्व के धनी हैं।

विवरण इस प्रकार रहा...

कुल मतदाता	: 1042
मतदान किया	: 931 (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग 925 + व्यक्तिगत वोटिंग 06)
मतदान प्रतिशत	: 89 .34 %

प्रत्याशी	प्राप्त मत
वीर महेंद्र कुमार जैन	310
वीर अनिल कुमार जैन	621

मूलनायक श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान

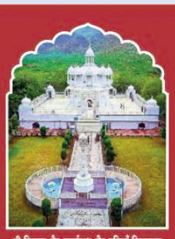
श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ जैन नसियाँ विराटनगर का मनोहारी दृश्य

॥ श्री 1008 पार्श्वनाथाय नमः॥

श्री श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन नसियाँ (मन्दिर), विराटनगर, जिला-जयपुर (राजस्थान)

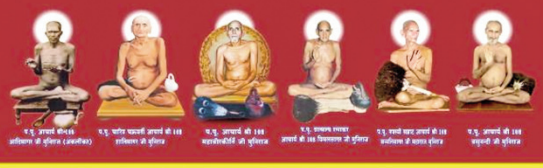

पावन सानिध्य :

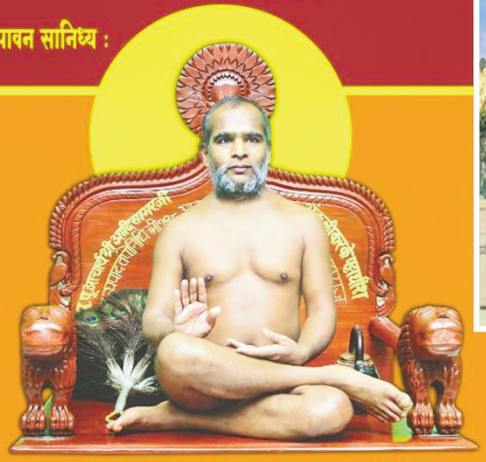

प.पू. मुनिकुंजर आचार्य 108 श्री आदिसागरजी (अंकलीकर) मुनिराज की परम्परा में तृतीय पट्टाधीश तपस्वी सम्राट आचार्य श्री 108 सन्मतिसागरजी महामुनिराज के लघुनंदन, प्राकृत ज्ञान केसरी, प्राकृत मार्तण्ड, राष्ट्र संत

आचार्य श्री 108 सुनीलसागर जी महामुनिराज ससंघ (59 पिच्छी)

नव स्थापित तीर्थंकर जिनबिम्ब
श्री शांतिनाथ जी, श्री कुन्थुनाथ जी, श्री अरहनाथ जी

श्री 1008 शांतिनाथ कुन्थुनाथ अरहनाथ जिनबिम्ब

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

एवं विश्व शांति महायज्ञ

दिनांक 18 फरवरी से 24 फरवरी 2023

आयोजक : श्री 1008 शांतिनाथ, कुन्थुनाथ अरहनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति, विराटनगर

राजीव जैन गाजियाबाद	विजय दीवान	पदमचन्द जैन संघही	कमल चांदवाड़	धर्मचन्द पहाड़िया	सुरेश सबलावत	रूपेन्द्र छाबड़ा 'अशोक'	संतोष जैन चौधरी	विनोद जैन	जयकुमार जैन	सुरेश जैन	रतनलाल जैन	नवीन कुमार जैन	विनोद तिजारिया	प्रमोद कुमार जैन	विमल कुमार जैन
अध्यक्ष	स्वागताध्यक्ष	स्वागताध्यक्ष	गौरवाध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	मुख्य संयोजक	मुख्य संयोजक	महामंत्री	मंत्री	मंत्री	मंत्री	मंत्री	कोषाध्यक्ष	सह कोषाध्यक्ष	सह कोषाध्यक्ष
9414054571	9414059115	9829215258	9829066202	9829054646	9828111101	9314515597	9828420053	9828450909	9602229532	9001314480	9252142055	9828802306	9314216340	9828214750	9828675897

निवेदक : श्री श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन नसियाँ (मंदिर), विराटनगर, जिला-जयपुर (राजस्थान)

श्री हरिद्वारीलाल जी जैन
श्री पदमचन्द जी जैन संघही
श्री मोती लाल जी जैन
संरक्षक

संतोष कुमार जैन चौधरी अध्यक्ष | धर्मचन्द पहाड़िया, सुरेश सबलावत कार्याध्यक्ष | जयकुमार जैन, नवीन जैन उपाध्यक्ष | विनोद कुमार जैन महामंत्री | सोनू जैन, एन.के. जैन मंत्री | सुरेश जैन संगठन मंत्री | रामावतार जैन संयुक्त मंत्री | रतनलाल जैन संयुक्त मंत्री | विमल कुमार जैन, रवि कुमार जैन कोषाध्यक्ष | प्रमोद कुमार जैन सह कोषाध्यक्ष | शीलचन्द जैन प्रचार मंत्री | रमेश जैन मंदिर व्यवस्था मंत्री

सदस्य : - विरेन्द्र जैन, चेतन जैन, बृजमोहन जैन, प्रकाश जैन, अशोक जैन, रमेशचन्द जैन बैराठी, हुकमचन्द जैन बैराठी, गजराज गंगवाल, दिल्ली, धर्मेन्द्र सेठी, दिल्ली, रूपचन्द पाण्ड्या, अरूण बाकलीवाल, सुभाष पाटनी, कैवरी लाल काला, निर्मल कुमार पाटनी, भागचन्द गंगवाल, राजकुमार सेठी, विकास पहाड़िया

विनीत : सकल दिगम्बर जैन समाज, विराटनगर, जिला-जयपुर (राज.) 303102

श्री सीताराम मंदिर में भागवत कथा का समापन

सम्मान अमीरी से नहीं ईमानदारी और सज्जनता से: गोविन्द भैया महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेहरू नगर स्थित श्री सीताराम जी मंदिर में चल रहे श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ के छठवें दिन सोमवार को भक्तों ने श्री शुकदेव जी द्वारा परीक्षित सहित अन्य प्रसंगों को सुना,जिसे सुन श्रद्धालू भाव विभोर हो उठे। इस मौके पर व्यास पाठ से वृंदावन के परमपूज्य गोविन्द भैया महाराज ने कहा कि व्यक्ति अपना मूल्य समझे और विश्वास करे कि हम संसार के सबसे महत्व पूर्ण व्यक्ति है। तो वह हमेशा कार्यशील बना रहेगा। क्योंकि समाज में सम्मान अमीरी से नहीं ईमानदारी और सज्जनता से प्राप्त होता है। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में कितना भी धन ऐश्वयं की सम्पन्नता हो लेकिन यदि मन में शान्ति नहीं है तो वह व्यक्ति कभी भी सुखी नहीं रह सकता। वहीं जिसके पास धन की कमी भले ही हों सुख सुविधाओं की कमी हो परन्तु उसका मन यदि शान्त है तो वह व्यक्ति वास्तव में परम सुखी है। यह हमेशा मानसिक असंतुलन से दूर रहेगा। कथा प्रसंग मे परम भक्त सुदामा चरित्र पर प्रकाश डालते हुए महाराज ने कहा कि श्रीसुदामा जी के जीवन में धन की कमी थी, निर्धनता थी लेकिन वह स्वयं शान्त ही नहीं परम शान्त थे। इस लिये सुदामा जी हमेशा सुखी जीवन जी रहे थे,क्योंकि उनके पास ब्रह्म (प्रभुनाम) रूपी धन था। धन की तो उनके जीवन में न्यूनता थी परन्तु नाम धन की पूर्णता थी। हमेशा भाव से ओत प्रोत होकर प्रभु नाम में लीन रहते थे। उनके घर में वस्त्र आभूषण तो दूर अन्न का एक कण भी नहीं था। जिसे लेकर वो प्रभु श्री द्वारिकाधीश के पास जा सकें,परन्तु सुदामा जी की धर्म पत्नी सुशीला के मन में इच्छा थी, मन में बहुत बड़ी भावना थी कि हमारे पति भगवान श्री द्वारिकाधीश जी के पास खाली हाथ न जायं। सुशीला जी चार घर गई और चार मुट्ठी चावल मांगकर लाई और वही चार मुट्ठी चावल को लेकर श्री सुदामा जी प्रभु श्री द्वारिका धीश जी के पास गए। और प्रभु ने उन चावलों का भोग बड़े ही भाव के साथ लगाया। उन भाव भक्ति चावलों का भोग लगाकर प्रभु ने यही कहा कि हमारा भक्त हमें भाव से पत्र पुष्प, फल अथवा जल ही अर्पण करता है, तो में उसे बड़े ही आदर के साथ स्वाकार करता हूँ। प्रभु ने चावल ग्रहण कर श्री सुदामा जी को अपार सम्पत्ति प्रदान कर दी। इस मौके पर कथा के आयोजक रामस्वरूप पाटाणी,सुधीर-सोनू नाटाणी व सुनील-शालू नाटाणी ने श्रीमद भागवत की आरती उतारी व पूजन की।

असम के राज्यपाल कटारिया का विधानसभा कर्मियों ने किया स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विधानसभा के अधिकारी-कर्मचारियों ने असम के नवनियुक्त राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को गुलदस्ता भेंट कर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधानसभा के अधिकारी जय कुमार जैन (बड़जात्या), कमलेश जैन, लोकेश जैन, नरेश कासलीवाल, रवि जैन, सौरभ जैन, अमित जैन आदि उपस्थित रहे।

गिरार गिरी पंचकल्याणक समिति ने अतिथियों को किया आमंत्रित

महोत्सव के लिए आचार्य विशुद्ध सागर का पद विहार 14 को

ललितपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन आदिनाथ अतिशय क्षेत्र गिरारगिरी विकासखंड मड़ावरा में चर्या शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में ब्र. जय कुमार निशांत, पंडित सनत कुमार विनोद कुमार जैन के प्रतिष्ठाचार्यत्व में आगामी 17 फरवरी से 2 2 फरवरी 2023 तक श्री 1008 मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक मानस्तम्भ जिनबिम्ब प्रतिष्ठा, विश्वशान्ति महायज्ञ एवं रथोत्सव का आयोजन किया जाना है। इसकी तैयारियां तेजगति से चल रहीं हैं। इसी क्रम में महोत्सव समिति के पदाधिकारी अतिथियों को आमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित कर रहे हैं । राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ को अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हुए पंडित अशोक रावत , अभिषेक जैन छोटू, अजीत जैन महामंत्री, आशीष जैन महामंत्री आदि ने आमंत्रित किया। वहीं भारत सरकार के पूर्वमंत्री प्रदीप जैन आदित्य को महोत्सव समिति के महोत्सव समिति के महामंत्री प्रकाश जैन मड़ावरा, कमलेश जैन, राजेश रज्जू खुटगुवा , त्रिलोक जैन, मयंक जैन , सुधीर जैन आदि ने आमंत्रण पत्र भेंट कर आमंत्रित किया। महोत्सव के प्रचारमंत्री/मीडिया प्रभारी डॉ सुनील जैन संचय ने बताया कि पंडाल, आवास, जल, भोजन आदि व्यवस्था की तैयारी अंतिम दौर में हैं। महोत्सव में विशाल संघ सहित सान्निध्य प्रदान करने के लिए आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का पद विहार पथरिया जिला दमोह से 14 फरवरी को होगा।

श्री रामाकृष्णा (SRK) हॉस्पिटल द्वारा महिला एवं बाल विकास (विभाग) द्वारा मेडिकल शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री रामाकृष्णा हॉस्पिटल द्वारा महिला एवं बाल विकास (विभाग) झालाना डूंगरी स्थित कार्यलय में निःशुल्क नेत्र एवं अस्थि रोग जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में विभाग के करीब सौ से ज्यादा कर्मचारियों एवं अधिकारियो ने चिकित्स्कों से परामर्श कर अपनी समस्याओं का निवारण किया। हॉस्पिटल की मेडिकल सुपरिटेंडेंट एवं नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अनुभुति शर्मा ने बताया इस तरह के शिविर हॉस्पिटल द्वारा सभी सरकारी प्राईवेट विभागो एवं पब्लिक प्लेस पर हॉस्पिटल द्वारा समय समय पर आयोजित किये जा रहे है। शिविर आयोजित करने का एक मात्र मूल कारण यही है कि लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बने, छोटी छोटी समस्याओं का समय पर परामर्श कर उन समस्याओं को भविष्य में बड़ी बनने से रोक सके, हॉस्पिटल के निदेशक एवं सीनियर यूरोलॉजिस्ट डॉ. राकेश शर्मा का कहना है हॉस्पिटल अपने स्तर पर कई सरकारी प्राईवेट कार्यलयों एवं समाजिक स्थनो पर शिविर के साथ साथ कई तरह के जागरूक कार्यकर्मो का आयोजन भी करता आ रहा है। जिसमे चिकित्सकों द्वारा हेल्थ टॉक ट्रेनिंग मुख्य है ऐसे कार्यक्रम का आयोजन करने का मुख्य कारण यही है के लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बने एवं छोटे छोटे प्रशिक्षण प्राप्त कर किसी की भी समय रहते जान बचा सके। हॉस्पिटल के अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास गुप्ता ने बताया की शिविर के दौरान कई ऐसे मरीज मिले जो अपने जोड़ एवं कमर दर्द की समस्याओं से परेशान थे लेकिन घरेलू उपचार से अपने आप को स्थिर रखे हुए थे परामर्श के बाद उन्हें पता चला की ये कोई आम समस्या नहीं है समय पर यदि इनका ईलाज नहीं लिया गया तो आगे चलकर ये समस्याऐ गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए इस तरह के शिविर, जागरूक टॉक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम होने से लोग अपनी समयस्याओ को समझेंगे और समय पर ईलाज प्राप्त कर अन्य लोगो को भी जागरूक कर सकेंगे।

दिगम्बर जैन सोशल गुलाबीनगर ग्रुप का नववर्ष कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल गुलाबीनगर ग्रुप का नववर्ष कार्यक्रम दिनाँक 12 फरवरी को होटल लादूराम नानगराम, सांगानेर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रकाश - कांता पाटनी व सुनील मीना- काला ने सम्मेदशिखर जी पर धार्मिक हाऊजी खिलायी।। सम्मेदशिखर जैनियो का तीर्थ है प्राणों से प्यारा है। तथा संगीत आधरित म्यूजिकल चेयर मनोरंजन गेम भी खिलाया, जिसमे प्रथम विजेता महावीर - संतोष चांदवाड, व दूसरा विजेता सुनील - सुमन बज को पुरस्कार भी दिया गया। ग्रुप के सदस्यों ने नव वर्ष की सालाना राशि जमा कराई, तथा ग्रुप की ओर से सभी सदस्यों को गिफ्ट वितरित की गई। जनवरी फरवरी माह में जिन सदस्यों की वैवाहिक वर्षगाँठ थी उन दंपती सदस्यों को ग्रुप के द्वारा बधाई व शुभकामनाएं दी गयी। प्रत्येक दंपति सदस्यों ने रुपये 500 मानव सेवार्थ कार्यक्रम हेतु ग्रुप को प्रदान की। विनोद बड़जात्या सचिव ने बताया सुनील बज अध्यक्ष व श्रीमती सुशीला बड़जात्या के नेतृत्व में ग्रुप के 41 सदस्य दिनाँक 15 से 21 फरवरी , 7 दिवसीय कश्मीर भ्रमण पर जा रहे है।

जनकपुरी में मनाया गया भगवान सुपार्श्व नाथ का मोक्ष कल्याणक

जयपुर। तुम पद पूजों मनवचकाय, देव सुपारस शिवपुरराय । दया निधि हो। जय जगबंधु दया निधि हो।।

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में सोमवार को जैन धर्म के अवसर्पिणी काल के सातवें तीर्थंकर भगवान श्री 1008 सुपार्श्व नाथ का निर्वाण महोत्सव भक्ति भाव के साथ मनाया गया । मन्दिर समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि भगवान सुपार्श्व नाथ का जन्म काशी वाराणसी नगरी में हुआ तथा निर्वाण सम्मेद शिखर पर्वत पर हुआ था । इनका चिन्ह स्वस्तिक हैं। मन्दिर में अभिषेक वृहत बीजाक्षर युक्त शान्तिधारा व पूजन के बाद निर्वाण काण्ड का वाचन किया गया तथा इसके बाद भगवान सुपार्श्व नाथ के मोक्ष कल्याण का अर्घ असित फागुन सातय पावनो, सकल कर्म कियो छय भावनो। गिरि समेदथकी शिव जातु हैं, जजत ही सब विघ्न विलातु हैं बोलते हुए निर्वाण लाडु मय श्रीफल व दीपक के महावीर शकुन्तला बिंदायक्या व उपस्थित श्रावकों द्वारा चढ़ाया गया ।सहस्र कूट जिनालय स्थापना दिवस पर हुए दो दिवसीय विधान आदि कार्यों का समापन आज विनायक यन्त्र पूजन के साथ पंचकुण्डिय हवन पूजन के साथ विधि विधान पूर्वक हुआ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सिंधी समाज के 28 जोड़ों का गीता भवन में हुआ सामूहिक विवाह

जयपुर. शाबाश इंडिया

सिंधु वेलफेयर सोसायटी, जयपुर के तत्वावधान में स्थानीय आदर्श नगर के गीता भवन में रविवार को सिंधी समाज के 28 जोड़ों का सामूहिक विवाह हुआ। इस मौके पर कापफी संख्या में समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे। अध्यक्ष हरगुण दास नेभनानी ने बताया कि दोपहर 12.15 बजे पल्लव प्रार्थना, प्रथम पूज्य गणेश जी महाराज और भगवान झूलेलाल जी की आराधना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। महासचिव अशोक टेवानी ने बताया कि दोपहर 2 बजे बारात रवाना हुई, साईं पुरसनाराम साहिब मंडल के मंडलाध्यक्ष साईं मुकेश साध जी ने हरी झंडी दिखाकर बारात को रवाना किया। बारात में सबसे आगे गजराज थे ,फिर ऊंट ,घोड़ों का लवाजमा था। 28 दूल्हे घोड़ियों पर सवार होकर दुल्हन को लेने चले। संयोजक तुलसी संगतानी ने बताया कि शहर के प्रमुख जिया बैंड ने सिंधी संगीत की स्वर लहरियों पर बारातियों का नचाया। शहर के गणमान्य व्यक्ति, मोहन गुरनानी, नारायण दास नजवानी,संतोष मोटवानी ,मोहन लाल वाधवानी ,चंद्र प्रकाश खेतानी, ईश्वर मोरवानी, लक्ष्मन टेकचंदानी सहित कई गणमान्य सम्मिलित हुए, बारात का स्वागत समिति पदाधिकारियों ने किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मन टेकचंदानी ने बताया कि दिन में सवा तीन बजे गीता भवन में महाराज

कन्हैया लाल शर्मा और अन्य विद्वान पंडितों के द्वारा सनातन धर्म पद्धति और सिंधी रीति रिवाजों से फेरे करवाए ,भगवान भुवन भास्कर और अग्नि देवता की साक्षी में 28 नव युगलों ने गृहस्थ जीवन का शुभारंभ किया। श्री अमरापुर दरबार के मंडलाध्यक्ष सतगुरु स्वामी भगत प्रकाश जी महाराज और अन्य संतों ने नवयुगलों को पखर पहना कर आशीर्वाद दिया, उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के सोलह संस्कारों में प्रमुख है विवाह संस्कार,नवयुगलों को आपसी समझ और एक दूसरे का मान रखते हुए गृहस्थ जीवन में रहना चाहिए। आशीर्वाद समारोह में 21 विद्वान ब्राह्मणों ने स्वस्ति वाचन कर जोड़ों को आशीर्वाद दिया, पूर्व विधायक अशोक परनामी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने आशीर्वाद दिया। समिति के रामराज

आहूजा, हेमंत खटवानी,अशोक छाबड़ा,कमल राजवानी, केवल राम जैसवानी, परमानंद इसरानी सहित कई पदाधिकारियों ने अपनी सेवाएं दीं। इस अवसर पर एक स्मारिका का विमोचन किया गया, जिसमें दूल्हा दुल्हनों का परिचय और शहर के दानदाताओं के नाम प्रकाशित किए गए, प्रत्येक जोड़े को गोरधन आसनानी ने स्वर्ण मंगल सूत्र,बालाजी धाम ने वाशिंग मशीन ,तुलसी त्रिलोकानी और किशन पुजानी ने फ्रिज, किशोर सचदेव ने कूलर,जितेंद्र चैनानी ने मोबाइल और अन्य ने अलमारी, अंगूठी सहित बर्तन, कपड़े सहित घरेलू उपयोग की वस्तुएं भामाशाहों के सहयोग से दीं गईं।

श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र का नये स्थान पर प्रारम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ जैन रिलीफ ट्रस्ट महारानी फार्म के मुख्य समन्वयक एवं चिकित्सा केंद्र के प्रभारी सुरेश लुहाड़िया ने बताया कि श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र अपने पुराने स्थान 122 महावीर नगर द्वितीय में दिनांक 13 फरवरी 2022 से अपने पूर्व समय सारणी के अनुसार वापस स्थानांतरित होकर चालू हो गया। केन्द्र में विभिन्न डॉक्टर का समय इस प्रकार रहेगा :

एलोपैथिक चिकित्सा: परामर्श एवं निशुल्क दवा वितरण प्रातः 9:00 से 11:00 बजे तक (सोमवार से शनिवार) साथ साथ ही रियायती दरों पर जांच सुविधा भी उपलब्ध है !

होम्योपैथी चिकित्सा: परामर्श एवं दवा वितरण सप्ताह में 3 दिन (बुधवार शुक्रवार एवं रविवार) शाम 4:00 बजे से 5:30 बजे तक

फिजियोथेरेपी : यह सेवाएं समय श्याम 4:00 से 6:00 बजे तक(सोमवार से शनिवार)

सर्जिकल उपकरण सेवा: इस के अंतर्गत बीमार व्यक्ति के लिए घर में उपयोग हेतु सर्जिकल पलंग, चेयर, वाकर, इत्यादि निशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं यह सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध है संपर्क सूत्र 93513 99 201 उन्होंने यह भी बताया कि यह भवन समाज सेवा भावी डॉ आभा गंगवाल एवं डॉ सुभाष गंगवाल ने चिकित्सा केंद्र को मानव सेवार्थ निशुल्क उपलब्ध कराया है।

श्री पवन - रीना जैन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सम्मानित सदस्य

मोबाईल नंबर 9314516970

की वैवाहिक वर्षगांठ (14 फरवरी) पर

हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, परामर्शक: दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, सचिव: अनिल - निशा संघी, कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

ला-इलाज नहीं रहा हेपेटाइटिस बी

दो माह में दिखने लगता है हेपेटाइटिस बी में चुम्बकीय जल का असर...

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

हेपेटाइटिस 'बी' एक ऐसा वायरस है, जो एक व्यक्ति से दूसरे में पहुंचता है। यह यौन संबंधों से फैलता है। इसके अलावा सीमन, लार, पसीना, संक्रमित सूइयों, घाव, चोट, रेजर और टूथब्रस से फैलता है। यह एड्स से 50 से 100 गुना अधिक संक्रमित होता है।

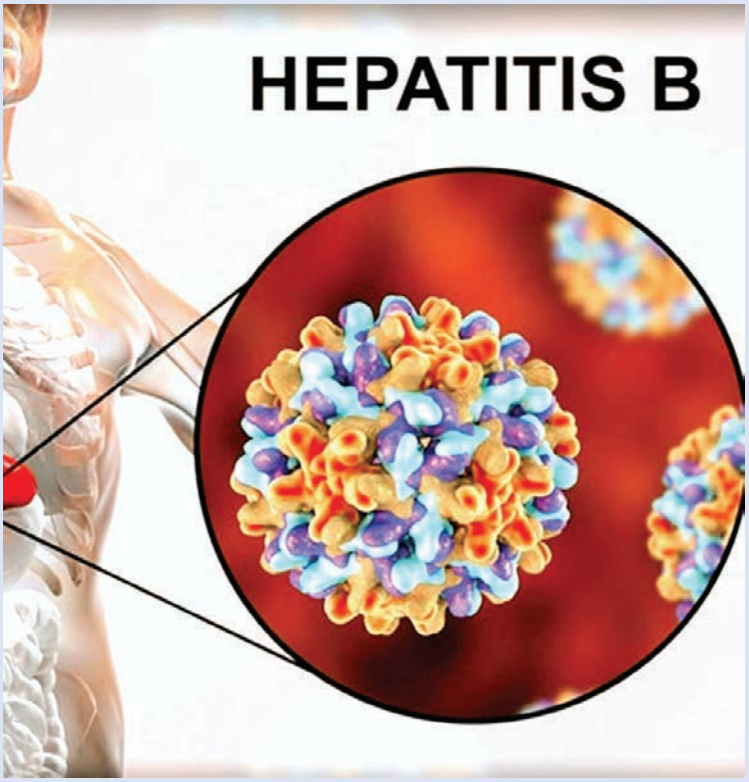

शाबाश इंडिया

लिवर शरीर का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है जो शरीर की आंतरिक रक्षा करता है। लेकिन मानव की लापरवाही से यह जवाब दे रहा है। हेपेटाइटिस 'बी' जैसी गंभीर बीमारियों की गिरफ्त में आने से लोग काल के गाल में समा रहे हैं। इसकी कोई कारगर दवा न होने से मर्ज तेजी से फैलता है। परंतु आयुर्वेद चिकित्सा में जड़ी-बूटियों से इस मर्ज को दूर करने का दावा किया गया है। 'जीएच 89' नामक ड्रग का मात्र दो माह तक चुम्बकीय जल के साथ नियमित सेवन करने से हेपेटाइटिस 'बी' का खतरा समाप्त होने लगता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 2015 में जारी रिपोर्ट के अनुसार, हेपेटाइटिस 'बी' के 68 प्रतिशत रोगियों को लिवर सिरोसिस तथा 80 प्रतिशत रोगियों को लिवर कैंसर हो जाता है। विश्व का प्रत्येक तीसरा व्यक्ति एड्स या हेपेटाइटिस 'बी' के प्रत्यक्ष संपर्क में है। इससे लिवर कैंसर का खतरा सबसे अधिक होता है। भारत में लगभग चार करोड़ लोग हेपेटाइटिस 'बी' से पीड़ित हैं। इसमें 40 प्रतिशत मरीज 30 वर्ष के अंदर के हैं।

क्या है हेपेटाइटिस 'बी'

हेपेटाइटिस 'बी' एक ऐसा वायरस है, जो एक व्यक्ति से दूसरे में पहुंचता है। यह यौन संबंधों से फैलता है। इसके अलावा सीमन, लार, पसीना, संक्रमित सूइयों, घाव, चोट, रेजर और टूथब्रस से फैलता है। यह एड्स से 50 से 100 गुना अधिक संक्रमित होता है।

महंगा है इलाज

प्रयोगशालीय परीक्षणों में 'आस्ट्रेलिया एंटीजन' से इसकी जांच होती है। जो बहुत महंगी है। भारत में इतना मंहगा परीक्षण अधिकांश रोगियों की पहुंच से बाहर है। यह आयुर्वेदिक औषधियां, एंटी वायरस और प्रभाव के साथ-साथ लिवर के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। यह तथ्य राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हंडिया के काय विभागाध्यक्ष के शोध में देखने को मिला है। डॉक्टरों ने शोध अध्ययन दो वर्गों पर किया। प्रथम वर्ग में 45 हेपेटाइटिस 'बी' के पीलिया से पीड़ित रोगियों को लिया गया जिन्हें आयुवेर्दीय योग जीएच 89 को चुम्बकीय जलके साथ औसतन दो माह तक दिया गया। परिणाम का आंकलन लाक्षणिक तथा जैव रासायनिक परीक्षण के आधार पर किया गया। इन रोगियों को भूख न लगना, थकान, पीलिया, वजन में कमी तथा लिवर वृद्धि जैसे लक्षणों में 75 प्रतिशत से अधिक लाभ मिला। लिवर फंक्सन टेस्ट जैसे एसजीपीटी तथा एल्केलाइन फास्फेटेज में पूर्ण सुधार लगभग डेढ़ माह में देखने को मिला। साथ ही 27 रोगियों का हेपेटाइटिस 'बी' (आस्ट्रेलिया एंटीजन) निगेटिव हो गया। द्वितीय वर्ग में क्रोनिक हिपेटाइटिस 'बी' 40 रोगियों को लिया गया, जिनमें रोग के कोई लक्षण तो नहीं थे किंतु उनका आस्ट्रेलिया एंटीजन पॉजिटिव था। लगभग तीन माह तक उन्हें जीएच 89 का प्रयोग चुम्बकीय जल के साथ कराया गया। इसमें 32 रोगियों का (आस्ट्रेलिया एंटीजन) निगेटिव हो गया।

कैसे बना 'जीएच 89'

जीएच 89 नामक ट्रायल ड्रग 20 वर्ष के अनवरत शोध का परिणाम है। इसमें कालमेघ, कुटकी, भूमि आंवला, गुडूची, पित्तपापड़ा और भृंगराज आदि मिश्रित हैं। यह मर्ज के स्थान पर सीधे पहुंचकर वहां के वायरस को समाप्त करते हैं। शोध के अंतर्गत रोगियों पर कोई दुष्प्रभाव देखने को नहीं मिला। बहुत तेजी से हमारी संस्था एक्यूप्रेशर सेवा समिति पिंकसिटी आयुर्वेद संस्थान के साथ इस रोग पर विजय प्राप्ति के लिए शोध कर रही है।